भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2218

गुरूवार, 7 अगस्त, 2025/16 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कर्नाटक में विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पहल

2218 श्री लहर सिंह सिरोया:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कर्नाटक में हम्पी, बादामी और पट्टाडकल जैसे स्थलों में विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या पहल की गई हैं;

(ख) क्या इन स्थलों को स्वदेश दर्शन या प्रसाद योजनाओं के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है; और

(ग) पिछले तीन वर्षों में इन स्थलों पर पर्यटकों की कितनी संख्या और कितना राजस्व सृजन दर्ज किया गया है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय अपनी सतत प्रचार संबंधी कार्यकलापों के एक हिस्से के रूप में, सोशल मीडिया, प्रचार संबंधी वेबसाइटों, कार्यक्रमों आदि के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में कर्नाटक के विरासत पर्यटन स्थलों सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है।

विभिन्न पर्यटक स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', स्वदेश दर्शन की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' नामक उप-योजना तथा 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश भर के पर्यटन स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना और सुविधाओं के विकास संबंधी उनके प्रयासों को संपूरित करता है। यह वित्तीय सहायता निधियों की उपलब्धता, योजना दिशानिर्देशों और समय-समय पर जारी अन्य निर्देशों के अनुपालन, संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की प्रस्तुति आदि के अध्यधीन प्रदान की जाती है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' की अपनी पहल के तहत भी पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान की है।

मंत्रालय की स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत, 25.63 करोड़ रु. की लागत से "हम्पी में ट्रैवलर नूक्स की स्थापना" नामक परियोजना को मंज़ूरी दी गई है। स्वदेश दर्शन या प्रशाद योजनाओं के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय द्वारा बादामी या पट्टाडकल के विकास हेतु कोई प्रस्ताव वर्तमान में विचारार्थ सूचीबद्ध नहीं है।

कर्नाटक राज्य में स्वदेश दर्शन 2.0 या प्रशाद के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(ग): पिछले तीन वर्षों के दौरान कर्नाटक में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की यात्राओं (डीटीवी और एफटीवी) का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	**डीटीवी**	**एफटीवी**
2022	18,24,13,203	1,28,520
2023	28,41,20,502	4,09,333
2024	30,45,63,569	4,85,204

स्रोत: राज्य पर्यटन विभाग

इसके अलावा, पिछले 3 वर्षों में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के तहत कर्नाटक राज्य में निम्नलिखित केंद्रीय रूप से संरक्षित टिकट वाले स्मारकों पर दर्ज किए गए पर्यटकों की संख्या और राजस्व सृजन का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**स्मारक**	**वित्तीय वर्ष 2022-23**		**वित्तीय वर्ष 2023-24**		**वित्तीय वर्ष 2024-25**	
		आगमन	**राजस्व (रु. में)**	**आगमन**	**राजस्व (रु. में)**	**आगमन**	**राजस्व (रु. में)**
1.	स्मारकों का समूह, हम्पी	825631	40075130	1012130	51330511	1008721	50954195
2.	बादामी गुफा	430409	11591240	481328	13337680	444542	10464570
3.	मंदिरों का समूह, पट्टाडकल	309167	13533005	347382	15808670	324615	12759875

*****

अनुबंध

श्री लहर सिंह सिरोया द्वारा कर्नाटक में विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पहल के संबंध में दिनांक 07.08.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2218 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

(i) कर्नाटक राज्य में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**स्वीकृति वर्ष**	**गंतव्य**	**अनुभव का नाम**	**स्वीकृत लागत**
1.	2023-24	हम्पी	ट्रैवलर नूक्स की स्थापना	25.63
2.	2023-24	मैसूरु	टोंगा राइड हेरिटेज अनुभव क्षेत्र	2.71
3.	2023-24	मैसूरु	पारिस्थितिक अनुभव क्षेत्र	18.48

(ii) कर्नाटक राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि**
1.	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर, मैसूर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2023-24	45.38
2.	रेणुका यल्लमा देवी मंदिर का विकास	2024-25	18.37
3.	पापनाश मंदिर, बीदर जिले में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2024-25	22.25

*****